ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, शनिवार 9 मार्च 2024

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 1 अंक 6

एएसआई पेपरलीक : नकल करने वाले परीक्षार्थियों को साथ लेकर एसओजी टीम पहुंची उदयपुर

- एग्जाम सेंटरों पर खंगाले दस्तावेज, परीक्षा में ड्यूटी देने वालों का जुटाया लेखा-जोखा

- जहां रूके थे आरोपी, उन होटलों में भी गई एसओजी की टीम, अलसुबह शुरू हुई जांच अब तक जारी

- जयपुर से लीक हुआ था पेपर, उदयपुर में एग्जाम देने आए थे आरोपी

EXCLUSIVE

24 न्यूज अपडेट.उदयपुर

desk24newsupdate@gmail.com

सुशील जैन

उदयपुर। एसआई भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक प्रकरण की जांच करते हुए आज एसओजी की टीम अलसुबह उदयपुर पहुंची और गुपचुप तरीके से कार्रवाई शुरू की। दल-बल के साथ पहुंची यह टीम अपने साथ उन आरोपियों को भी लेकर आई जिनका एएसआई परीक्षा में सलेक्शन हो गया है मगर वे पेपर लीक को लेकर संदेह के घेरे में हैं। इनमें से कई को जयपुर में ट्रेनिंग सेंटर से ट्रेनिंग के बीच से उठाया गया था। बताया जा रहा है कि जयपुर में अभी 35 से ज्यादा अभ्यर्थियों से गहन पूछताछ चल रही है। इन्होंने कहां से पेपर हासिल किए व एग्जाम देने खुद गए या फिर डमी कैंडिडेट को भेजा, इसकी गहन छानबीन की जा रही है। इसी मामले में आज एसओजी की टीम उदयपुर में सुबह गायरियावास स्थित महावीर एकेडमी में पहुंची। यह स्कूल समाजसेवी राजकुमार फत्तावत का है। बताया जा रहा है कि आरोपियों में से कुछ ने यहां पर एग्जाम दिया था। टीम ने यहां पर करीब आधे घंटे तक प्रिंसिपल सुमन गौड़ से दस्तावेजों पर चर्चा की और पूरी परीक्षा के बारे में पूछा। किसकी ड्यूटी लगाई थी व परीक्षा के दौरान क्या-क्या बंदोबस्त थे, इस पर भी पूछताछ की व डेटा देखे। हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो सकता कि टीम यहां पर किसी डमी या असली परीक्षार्थी को साथ लेकर आई थी या नहीं। मगर लोगों का कहना है कि कुछ और भी वाहन इस कार्रवाई के दौरान आस-पास खडे देखे गए थे। आपको बता दें कि पेपर जयपुर में लीक हुआ था व उसके बाद वह मोटी रकम देने वालों को बेचा गया था। उदयपुर के सभी एग्जाम सेंटरों की अच्छी साख को देखते हुए इस परीक्षा में यहां के प्रतिष्ठित स्कूलों को एग्जाम सेंटर बनाया गया था तथा वहां पर राजस्थान से बाहर के और संदिग्ध व पेपरलीक के लिए बदनाम कहे जाने वाले जिलों के परीक्षार्थियों को एग्जाम सेंटर दिया गया था। इनमें जालौर, सिरोही, सीकर, बाडमेर आदि जिलों के अभ्यर्थी शामिल थे। उदयपुर में इन परीक्षार्थियों ने परीक्षा तो दी मगर उनके पास पेपर पहले से था। अब पुलिस जयपुर से उन कड़ियों को जोड़ने निकली है जिनके आधार पर अन्य मुजरिमों तक भी पहुंचा जा सकता है। उदयपुर में एसओजी की टीम यह तस्दीक करना चाहती है कि एग्जाम कहां पर दिए। एग्जाम सेंटर पर क्या सुविधाएं और सावधानियों के इंतजाम थे तथा एग्जाम सेंटरों के केंद्राधीक्षकों के पास भी कोई सूचना या क्लू हो तो उसे भी शामिल किया जा सके। महावीर एकेडमी में एसओजी की टीम करीब आधे घंटे तक रूकी।

इसके बार सूत्रों के अनुसार टीम ने सुंदरवास का रूख किया जहां पर संगम इंटरनेशनल स्कूल एक कैंडिडेट को लेकर पहुंची। टीम ने स्कूल का मुआयना करते हुए संचालक से बातचीत की और दस्तावेज देखे। यहां पर एसओजी की

टीम दो वाहनों में पहुंची। एक वाहन में दल-बल को स्कूल से थोड़ी दूर खड़ा रखा गया। टीम ने यहां पर भी एग्जाम के बारे में पूछा। बताया जा रहा है कि इस एग्जाम सेंटर पर एग्जाम देने आए एक अभ्यर्थी का सलेक्शन हुआ है जो खुद परीक्षा देने आया था। आरोप है कि इस परीक्षार्थी के पास पहले से पेपर आ गया था व उसके तार जयपुर के पेपरलीक माफियाओं से जुडे होने की आशंका है। एसओजी टीम यहां से रवाना होकर शाम को उन होटलों में पहुंची जहां पर परीक्षार्थी ठहरे थे। वहां पर भी उनके ठहराव व उसके साथ आने-जाने वालों के बारे में रिकॉर्ड तलब करके टीम दस्तावेज अपने साथ ले गई। गौरतलब है कि सारकार के सख्त निर्देश के बाद एसओजी टीम बहुत ही बारीकी से मामले की जांच कर रही है। टीम में कई सीनियर पुलिस अफसर व भी शामिल हैं।

टीम आई थी, दस्तावेज देखे

महावीर एकेडमी के संचालक राजकुमार फत्तावत ने बताया कि एसओजी की टीम आज पेपरलीक मामले में आई थी मगर मुझे इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। टीम ने स्कूल में प्रिंसिपल से बात की। स्कूल की प्रिंसिपल सुमन मैडम ने कहा कि पेपरलीक के मामले में टीम आई थी। टीम ने एसआई भर्ती परीक्षा-2021 के दस्तावेजों के बारे में पूछा। एग्जाम ड्यूटी का रजिस्टर चेक किया व उसकी कॉपी ली। इस एग्जाम में ड्यूटी सरकारी अध्यापकों की लगी थी। टीम हमारे यहां पर आधे घंटे तक रूकी। टीम के साथ कौन-कौन था व क्या परीक्षार्थी भी साथ थे या फिर बाहर और कितनी गाड़ियां थीं इस बारे में मुझे कुछ भी नहीं पता। टीम की ओर से हमें कोई नोटिस नहीं दिया गया है। दूसरे स्कूलों में कहां-कहां गए, इस बारे में हमें जानकारी नहीं है।

एग्जाम सेंटरों के पास नहीं है ज्यादा दस्तावेज

इस परीक्षा के सभी दस्तावेज परीक्षा एजेंसी आरपीएससी के पास हैं। एग्जाम सेंटरों के पास केवल एग्जाम ड्यूटी से जुडे दस्तावेज ही हैं क्योंकि आरपीएससी की ओर से ही परीक्षा करवाई गई थी। इसमें सरकारी अध्यापकों की ड्यूटी लगाई गई थी। जांच करने के लिए पुलिस का जाब्ता तैनात किया गया था। सरकारी स्तर पर फ्लाइंग आई थी। पेपर भी एग्जाम से 20 से 25 मिनट पहले ही एग्जाम सेंटरों पर पहुंचे थे और तब तक सभी परीक्षार्थी अपने-अपने परीक्षा कक्षों में बैठ चुके थे। उदयपुर में करवाई गई परीक्षा के दौरान ड्यूटी देने वालों का कहना है कि यहां पूरा काम पारदर्शिता से हुआ। पेपर आते ही अभ्यर्थियों के हस्ताक्षर के बाद सील खोली गई और तुरंत गिनती के बाद उनका वितरण कर दिया गया क्योंकि परीक्षा शुरू होने से थोड़ी देर पहले ही पेपर सेंटरों तक पहुंचा था। एग्जाम के लगभग सभी दस्तावेजों को एग्जाम के बाद सीलबंद करके पुनः एग्जाम अथॉरिटी को सौंप दिया गया था। ऐसे में केवल एग्जाम ड्यूटी संबंधी दस्तावेज ही एग्जाम सेंटरों पर उपलब्ध हैं। उसमें भी कई एगजम सेंटरों पर तो वह भी उपलब्ध नहीं है क्योंकि परीक्षा हुए तीन साल होने आ रहे हैं।

एसआई की डिग्रियां फर्जी, जयपुर में ही कैंडिडेट से करवाए 32 हस्ताक्षर

एसआई भर्ती परीक्षा-2021 में 23 चयनित एसआई की शैक्षणिक डिग्रियां भी फर्जी होने की आशंका है। जयपुर में एसओजी ने गिरफ्तार हुए सभी 14 परीक्षार्थियों के शैक्षणिक दस्तावेजों की जांच शुरू कर दी है। इस दौरान चौंकाने वाला मामला सामने आया है। कुछ की तो डिग्रियों के रिकॉर्ड में ही हेरफेर करना सामने आया है। अब तक एसओजी ने 40 ऐसे परीक्षार्थियों को चिह्नित किया है व जांच में 23 एसआई की डिग्रियां फर्जी निकली हैं।एसओजी अब इन सबके अन्य दस्तावेजों की भी जांच कर रही है। इधर, एफएसएल की टीम ने गिरफ्तार 14 एसआई के हस्ताक्षर और उनके राइटिंग संबंधी दस्तावेजों को खंगाला है। बताया जा रहा है कि जयपुर में जांच के दौरान परीक्षार्थियों से खुद के 32 हस्ताक्षर करने को कहा गया ताकि उनकी फोरेंसिंक जांच की जा सके। उनसे उनकी राइटिंग में पैराग्राफ भी लिखवाया जा रहा है। इसके अलावा ओएमआर शीट, परीक्षा का उपस्थित रजिस्टर, उनकी ओर से परीक्षा के उपस्थिति फॉर्म पर किए गए सभी हस्ताक्षरों की जांच के लिए हैंड राइटिंग के नमूने जुटाए जा रहे हैं।

2010 की भर्ती में भी हुई थी धांधली

मई 2011 में आरपीएससी की ओर सेएसआई भर्ती परीक्षा 2010 हुई थी। इस परीक्षा में भी आरोप लगे थे कि जगदीश विश्नोई की गैंग ने जमकर नकल करवाते हुए धांधली कर कइयों का बेडा पार करवा दिया। इसके बाद प्लाटून कमांडर में जो 138 एसआई चुने गए थे उनके हाव भाव देखते हुए कई सवाल उठे थे। इस मामले में भी विश्नोई गैंग का नाम आया था, विश्नोई को गिरफ्तार किया था व पूछताछ में पता चला कि ब्लूटूथ गैंग भी सक्रिय है। तब भी एसओजी ने कोई एक्शन नहीं लिया व मामला दबा दिया गया। इसके पीछे किसका हाथ था यदि यह सामने आ जाए तो राजस्थान में राजनीतिक भूचाल आ जाए।

महिला अभ्यर्थी भी थी साथ

इधर, सूत्रों से पता चला है कि एसओजी अपने साथ एक महिला अभ्यर्थी को भी लेकर आई जिसको एग्जाम सेंटर पर ले जाकर तस्दीक करवाई गई। इस महिला अभ्यर्थी के साथ पुलिस का महिला जाप्ता भी मौजूद था। होटल में पेपर सॉल्व करने का अंदेशा इधर एसओजी ने उदयपुर की जिन होटलों में जांच की वहां पर अंदेशा है कि नकलचियों के पास पहले से ही पेपर आ गया था व उन्होंने उन्हीं होटलों में बैठकर पेपर को सॉल्व किया था।

आरसीए अध्यक्ष की कुर्सी पर खिला कमल, धनंजय का छाया 'वैभव'

सरकार बदलते ही सत्ता बदली, मंत्री के बेटे को मिल गई अध्यक्ष की कुर्सी

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

जयपुर। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में एक बार फिर सत्ता की बदली हो गई है। पहले सीएम अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत अध्यक्ष थे, अब भाजपा की सरकार आते ही कुर्सी पर कमल खिल गया है। स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के बेटे और नागौर जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष धनंजय सिंह को राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) का कार्यवाहक अध्यक्ष बनाया गया है। जयपुर के केएल सैनी स्टेडियम में आरसीए की कार्यकारी समिति की बैठक में इस पर सहमति बनी। बैठक में वैभव गहलोत के इस्तीफे को स्वीकार कर लिया गया और राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के नए कार्यकारी अध्यक्ष बनाने पर चर्चा की गई। हालांकि सब कुछ पहले से तय था केवल औपचारिकता होनी बाकी

थी। अब इंडियन प्रीमियर लीग के मुकाबले राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की देखरेख में होने की पूरी संभावना है। कहा जा रहा है कि यह पूरी प्रक्रिया ही आईपीएल के लिए की गई। क्योंकि 22 फरवरी को आरसीए और खेल परिषद के बीच सवाई मानसिंह स्टेडियम का पहले हुआ एमओयू खत्म हो गया था। इसके बाद 23 फरवरी को खेल परिषद में आरसीए से सवाई मानसिंह स्टेडियम को कब्जे में ले लिया। आरसीए के दफ्तर को सील कर दिया था। इसके बाद प्रदेश के 33 जिला क्रिकेट संघों ने आरसीए के अध्यक्ष वैभव गहलोत के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी शुरू कर दी थी। भनक लगते ही वैभव गहलोत ने खुद ही अपना पद छोड़ दिया। अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने खेल परिषद को जयपुर में इंडियन प्रीमियर लीग के तीन मुकाबले कराने की जिम्मेदारी दी है।

सीएम, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष जोशी कल बांसवाड़ा आएंगे

24 न्यूज अपडेट

desk24newsupdate@gmail.com

बांसवाड़ा. मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने रविवार को बांसवाड़ा आएंगे। सीएम शर्मा पाड़ला चौराहा पर आंबापुरा लिफ्ट सिंचाई परियोजना का लोकार्पण करेंगे। उसके बाद सीएम और प्रदेशाध्यक्ष बांसवाड़ा शहर के कुशलबाग मैदान में जनसभा को संबोधित करेंगे। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय पंड्या ने बताया कि सीएम जयपुर से हेलीकॉप्टर से ही दोपहर 12 बजे पाड़ला चौराहा आएंगे। दोपहर 12.15 बजे सिंचाई परियोजना का लोकार्पण करने के बाद 12.30 बजे कॉलेज परिसर पहुंचेंगे। जहां से कुशलबाग मैदान जाएंगे। जनसभा में मुख्यमंत्री और प्रदेशाध्यक्ष, भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी महेंद्रजीत सिंह मालवीया, भाजपा जिलाध्यक्ष लाभचंद पटेल की मौजूदगी में बड़ी संख्या में कांग्रेस के जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी भाजपा में शामिल होंगे। सांसद प्रत्याशी महेंद्रजीतसिंह मालवीया, जिलाध्यक्ष लाभचंद पटेल, गढ़ी विधायक कैलाश मीणा, नगर अध्यक्ष नीलेश जैन, बलवंत पंचाल ने कुशलबाग मैदान में प्रस्तावित सभास्थल का जायजा लिया।

संपादकीयः चंदे का फंदा

स्वतंत्र लेखक

चुनावी चंदे का विवाद राजनीतिक दलों के लिए गले की हड्डी बनता जा रहा है। भले वे पार्टियां इसे बढ़-चढ़ कर राजनीतिक रंग देने की कोशिश में जुटी हैं, जिन्हें कम चंदा मिला है, मगर पारदर्शिता उनके यहां भी नहीं है। चाहे वे राष्ट्रीय दल हों या क्षेत्रीय, सबने अज्ञात स्रोतों से चंदा हासिल किया है। एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म यानी एडीआर नामक संगठन ने अपने अध्ययन में खुलासा किया है कि राजनीतिक दलों को मिले कुल बंद के बयासी फीसद हिस्से के बारे में कोई जानकारी नहीं हैं। वह चुनावी बांड से प्राप्त हुआ धन है। चुनावी बांड का प्रावधान इसलिए किया गया था कि चंदे के रूप में काले धन का प्रवाह रोका जा सके। मगर वह तरीका कारगर साबित नहीं हुआ। इसे लेकर विवाद तब और बढ़ गया, जय देखा गया कि सत्तापक्ष और विपक्ष के सारे दलों को मिले चंदे की राशि में बहुत अंतर है। कुल चंदे का करीब आधा हिस्सा अकेले सत्तापक्ष को मिला और बाकी में सारे दलों का हिस्सा है। विचित्र बात यह कि एक करोड़ की राशि वाले चंदों की संख्या अधिक थी और छोटी राशि के चंदे बहुत कम आए। मगर चुनावी बांड के नियमों के मुताविक चूंकि चंदा देने वालों के नाम उजागर नहीं किए जा सकते, इसलिए उनके स्रोत अज्ञात ही बने रहे। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि लोकतंत्र में मतदाता को यह जानने का अधिकार है कि किस पार्टी को कितना और कहां-कहां से चंदा मिला। हालांकि पिछले महीने सर्वोच्च न्यायालय ने चुनावी बांड को असंवैधानिक करार देते हुए उस पर रोक लगा दो और भारतीय स्टेट बैंक से तीन हफ्ते के भीतर वे सारे नाम निर्वाचन आयोग को सौंपने को कहा, जिन्होंने पिछले पांच वर्षों में राजनीतिक दलों को चंदे दिए हैं। मगर स्टेट बैंक ने सर्वोच्च न्यायालय में समय सीमा बढ़ा कर जून तक करने की फरियाद लगा दी। इसे लेकर स्वाभाविक ही एक नए तरह का विवाद शुरू हो गया। अब सर्वोच्च न्यायालय में गुहार लगाई गई है कि स्टेट बैंक की इस नाफरमानों पर अवमानना की कार्रवाई हो। देखने की चात है कि अदालत इस पर क्वा रुख लेती है। मगर एडीआर के अध्ययन से एक बार फिर यहीं जाहिर हुआ है कि बांड का प्रावधान इसी मंशा से किया गया था कि चुनावी राजनीतिक दल मनमाने तरीके से चंदा जुटा सकें और उसके बारे में लोगों को जानकारी भी न मिलने पाए। लोकतंत्र में राजनीतिक दलों से पारदर्शिता की अपेक्षा जाती है। अगर ये चंदा जुटा कर अपनी ताकत का की प्रदर्शन और अनाप-शनाप खर्च की होड़ शुरू कर दें तो इसे मतदाताओं के साथ गंभीर धोखा ही कहा जाएगा। मतदाता को पूरा हक है कि जिस दल के पक्ष में वह मतदान करता है, उसके बारे में हर जानकारी प्राप्त करे। उसके आय-व्यय का हिसाब भी उसे पता हो। फिर जो कंपनियां राजनीतिक दलों को चंदा देती हैं, उन्हें भी ओट में न रखा जाए, क्योंकि बहुत सारे लोगों के शेयर उन कंपनियों में लगे होते हैं। इस तरह उन्हें जानने का हक है कि जिस कंपनी के साथ वे जुड़े हैं, वह कहीं उनका पैसा किसी गलत जगह तो नहीं लगा रही। आयकर विभाग राजनीतिक दलों के चंदे का भी हिसाब रखता है, मगर चुनावी बांड नियमों की वजह से वह भी अंधेरे में रह जाता है कि चंदे कर स्रोत क्या है।

उत्सव में लापरवाही

राजस्थान के कोटा जिले में महाशिवरात्रि उत्सव में लापरवाही भारी पड़ी और उसकी कीमत पंद्रह बच्चों सहित कई लोगों को चुकानी पड़ी। खबर के मुताबिकए इस अवसर पर निकाली गई शिव बरात में शामिल एक बच्चे के हाथ में एक लंबा झंडा थाए जो ऊपर से गुजर रहे उच्च क्षमता के तार से छू गया और उसमें करंट फैल गया। इसकी चपेट में कई बच्चे और अन्य लोग आ गए। इसमें कुछ बच्चे गंभीर रूप से झुलस गए। सामान्य तौर पर इसे चूक की वजह से हुआ हादसा माना जाएगाए मगर सच यह है कि इसके जिम्मेदार आयोजक और स्थानीय प्रशासन है। सवाल है कि इस उत्सव के आयोजकों को क्या वहां होने वाले जमावड़े और गतिविधियों का अंदाजा नहीं था! जिन इलाकों से शिव बरात में शामिल लोग और बच्चे ऊंचे झंडे लेकर गुजर रहे थेए उसमें आयोजकों को यह सुनिश्चित करना जरूरी क्यों नहीं लगा कि वे वहां से गुजर रहे उच्च क्षमता के तार का ध्यान रख कर चलने की व्यवस्था करें धार्मिक त्योहारों या जुलूसों के दौरान देश भर से ऐसे मामले सामने आते रहे हैंए जिनमें आयोजकों की लापरवाही की वजह से कभी भगदड़ मच जाती है तो कहीं बिजली का करंट लगने से हादसा हो जाता है और लोगों की जान चली जाती है। यानी जो लोग किसी सार्वजनिक उत्सव में अपनी खुशी साझा करने जाते हैंए कई बार उन्हें आयोजकों की लापरवाही का खमियाजा भुगतना पड़ता है। सवाल है कि अक्सर होने वाले ऐसे हादसों के बावजूद स्थानीय प्रशासन को यह सुनिश्चित करना जरूरी क्यों नहीं लगता कि अगर उस दौरान लोगों की भीड़ जमा हो रही है या कोई जुलूस निकल रहा हैए तो हर स्तर पर उसका सुरक्षित होना तय किया जाए। जब कोई बड़ा हादसा हो जाता है और मामला तूल पकड़ लेता है तब प्रशासन की नींद खुलती है। जरूरत है कि किसी भी अवसर पर ज्यादा संख्या में लोगों के जमा होने पर वहां सब कुछ सुरक्षित होने को लेकर एक ठोस दिशानिर्देश तय किए जाएं।

शादी के 40 दिन बाद कुवैत चला गया, 1 साल बाद आया तो 5 दिन बाद ही छोड़कर चली गई पत्नी

25 लाख कैश, सोने-चांदी के जेवरात हड़पे

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

डूंगरपुर। सागवाड़ा थाने में शादी के नाम पर 25 लाख कैश, सोने चांदी के जेवरात हड़पने का मामला दर्ज करवाया गया है। शादी के 40 दिन बाद पति कुवैत चला गया और सालभर बाद वापस लौटा तो पत्नी 5 दिन बाद ही घर से झगड़ा करके चली गई। मामले में पुलिस ने दुल्हन और उसके परिवार के लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सागवाड़ा थाना पुलिस के अनुसार शिवराम पुत्र हुकाजी पाटीदार निवासी पारडा माताजी ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। जिसमें शिवराज ने बताया कि मेरे समाज में लड़कियां कम हैं, इसलिए पैसे देकर शादी करनी पड़ती है। इसके तहत मैं मेरे बेटे धनेश्वर पाटीदार की शादी के लिए लड़की तलाश कर रहा था। इसी दौरान चेतना पाटीदार, उसके पिता मोहनलाल पाटीदार, मां शारदा ने उनसे संपर्क किया और शादी को लेकर बातचीत की। उन्होंने रिश्ते की बात को लेकर भिलुड़ा गांव बुलाया। जिस पर परिवार के सभी लोग जनवरी 2022 में भिलूड़ा गांव गए। धनेश्वर और चेतना की शादी को लेकर दोनों परिवारों ने मिलकर बातचीत की। चेतना के परिजनों ने शादी के लिए 25 लाख रुपए कैश की मांग रखी। इसके अलावा शादी के समय सोने और चांदी के जेवरात भी मांगे। बात तय होने पर 5 लाख रुपए मौके पर दे दिए। जबकि अगले 10 दिनों में 5 -5 लाख रुपए फिर से दे दिए। 19 फरवरी 2022 को शादी की तारीख तय कर दी। शादी के दिन बारात लेकर गए और बचे हुए 10 लाख रुपए भी दे दिए। वहीं, चांदी के जेवर भी दिए। सोने के जेवर दिवाली तक देने की बात हुई। शादी के बाद बारात लेकर गांव चले गए। 40 दिनों तक धनेश्वर और चेतना साथ-साथ रहे। इसके बाद 29 मार्च 2022 को धनेश्वर रोजगार के लिए कुवैत चला गया।

इसके बाद चेतना के परिवार के लोगो ने 20 अक्टूबर 2022 को सोने के जेवरात दिलाने की मांग रखी। जिस पर सोने का मंगलसूत्र, झुमके और हार दिलवाए। इसके बाद चेतना धनेश्वर को फोन कर बार बार पैसे की मांग करती। जिस पर धनेश्वर हर महीने 10 हजार रुपए भेजता। वहीं, 26 जनवरी 2023 को चेतना ने फोन कर पैसे मांगे। जिस पर 30 हजार 61 रुपए भेजे। वहीं, 3 अप्रैल 2023 को फिर से पैसे मांगने पर चेतना के भाई भरत के खाते में 25 हजार रुपए डाले। इसके बाद 1 जून 2023 को धनेश्वर कुवैत से वापस अपने घर आया। चेतना 5 दिन घर पर रही ओर फिर झगड़ा कर अपने पीहर चली गई। समझाकर उसे वापस बुलाया, लेकिन फिर से चली गई। 6 सितंबर 2023 को चेतना और उसके परिवार के लोग आए और झगड़ा करने लगे। चेतना ने भी ससुराल में नहीं रहने की बात कहते हुए विवाह तोड़ने की बात कही और अपना सामान पैक कर लिया। इस पर दोनों परिवारों के बीच शादी के दौरान दिए गए 25 लाख कैश, जेवरात वापस लौटाने की बात हुई। जिस पर चेतना के परिजनों 10 अक्टूबर 2023 तक पैसे लौटाने की बात कही। लेकिन उन्होंने आज तक न पैसे लौटाए, न ही जेवरात। वे लोग सारा धन और जेवरात हड़पने की फिराक में हैं। पुलिस ने मामले में की दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है।

राजस्थान कांग्रेस में कल फिर भूकंप का पूर्वानुमान, बड़े नेता छोड़ेंगे पार्टी

गहलोत-पायलट के करीबी छोड़ेंगे पार्टी; नागौर के कद्दावर मिर्धा परिवार से भी दो नाम

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

जयपुर। लोकसभा चुनावों से पहले बीजेपी कांग्रेस में बड़ी सेंध लगाने जा रही है। बड़ी संख्या में कांग्रेस के पूर्व मंत्री और पूर्व विधायक बीजेपी में शामिल होने जा रहे हैं। पूर्व कृषि मंत्री लालचंद कटारिया, पूर्व गृह राज्य मंत्री राजेंद्र यादव, पूर्व विधायक रिछपाल मिर्धा, विजयपाल मिर्धा, खिलाड़ीलाल बैरवा, आलोक बेनीवाल, कांग्रेस नेता रामपाल शर्मा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता बीजेपी में शामिल होंगे। बीजेपी सूत्रों के अनुसार रविवार को 11 बजे बीजेपी मुख्यालय में बड़ी संख्या में कांग्रेस नेताओं की जॉइनिंग होने जा रही है। सीएम भजनलाल शर्मा, प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी की मौजूदगी में कांग्रेसी नेता बीजेपी में शामिल होंगे।

दामाद और समधी सहित बीजेपी में जाएंगे पूर्व मंत्री लालचंद कटारिया

गहलोत सरकार में कृषि मंत्री और यूपीए सरकार में केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री रहे लालचंद कटारिया की विधानसभा चुनावों के दौरान भी बीजेपी में जाने की चर्चा थी। लालचंद कटारिया ने इस बार झोटवाड़ा से विधानसभा चुनाव नहीं लड़ा था। लालचंद कटारिया के साथ उनके दामाद और डेगाना से पूर्व विधायक विजयपाल मिर्धा, उनके समधी पूर्व कांग्रेस विधायक रिछपाल मिर्धा भी बीजेपी जॉइन करेंगे।

ज्योति मिर्धा के बीजेपी में जाने के वक्त से थी चर्चा

ज्योति मिर्धा के बीजेपी में जाने के वक्त से ही रिछपाल मिर्धा और विजयपाल मिर्धा के बीजेपी में जाने के कयास लग रहे थे। विजयपाल मिर्धा को डेगाना से कांग्रेस का टिकट मिला, लेकिन हार गए। रिछपाल मिर्धा ने हाल ही बीजेपी के पक्ष में खुलकर बयान दिए थे। नागौर के दिग्गज मिर्धा परिवार से आने वाली डॉ ज्योति मिर्धा ने विधानसभा चुनाव से ठीक पहले भाजपा जॉइन की थी। हालांकि, वे विधानसभा चुनाव हार गई थीं। भाजपा ने उन्हें फिर से चुनावी मैदान में उतारा है। मिर्धा परिवार से आने वाली डॉ ज्योति मिर्धा ने विधानसभा चुनाव से ठीक पहले भाजपा जॉइन की थी। रिछपाल मिर्धा ने कहा था कि बीजेपी राजस्थान की सभी 25 सीटों पर जीत दर्ज करेगी। कांग्रेस में जनाधार वाले नेताओं की कद्र नहीं बची है। लालचंद कटारिया विधानसभा चुनावों के वक्त से ही साइलेंट हैं, लेकिन वे बीजेपी के केंद्रीय नेताओं के संपर्क में थे। कटारिया और राजेंद्र यादव कई बार दिल्ली में केंद्रीय नेताओं से मिल चुके हैं।

लालचंद कटारिया पूर्व मंत्री | विजयपाल मिर्धा पूर्व विधायक | रिछपाल मिर्धा पूर्व विधायक

पीए ने अरुणाचल में किया दुनिया में सबसे ज्यादा ऊंचाई पर बनी सेला टनल का उद्घाटन

हर मौसम में चीन सीमा तक पहुंचाएगी टनल

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

ब्यूरो. अरूणाचल प्रदेश। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग जिले के बैसाखी में 13 हजार फीट की ऊंचाई पर बनी सेला टनल का उद्घाटन किया। यह इतनी ऊंचाई पर बनी दुनिया की सबसे लंबी डबल लेन टनल है। चीन सीमा से लगी इस टनल की लंबाई 1.5 किलोमीटर है। PM ने इसके अलावा 55 हजार से अधिक के प्रोजेक्ट्स का लोकार्पण-शिलान्यास किया। टनल के बनने से आम लोगों के अलावा सेना को भी इससे फायदा होगा। टनल चीन बॉर्डर से लगे तवांग को हर मौसम में रोड कनेक्टिविटी देगी। बारिश, बर्फबारी के दौरान यह इलाका देश के बाकी हिस्सों से महीनों कटा रहता था। एलएसी के करीब होने के कारण यह टनल सेना के मूवमेंट को खराब मौसम में और भी बेहतर बनाएगा। प्रधानमंत्री ने इस दौरान लोगों को संबोधित करते हुए कहा- पूरे देश में विकसित राज्य से विकसित भारत का राष्ट्रीय उत्सव तेज गति से जारी है। हमने जो काम 5 साल में किए कांग्रेस को उसे करने में 20 साल लगते। पूरा नॉर्थ ईस्ट देख रहा है कि मोदी की गारंटी कैसे काम कर रही है।

प्रधानमंत्री ने एक बार फिर परिवारवाद का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा- कांग्रेस के गठबंधन के परिवारवादी नेताओं ने मोदी पर हमले बढ़ा दिए हैं और आजकल वो पूछ रहे हैं कि मोदी का परिवार कौन है। गाली देने वालों कान खोलकर सुन लो- अरुणाचल के पहाड़ों में रहने वाला हर परिवार कह रहा है कि ये मोदी का परिवार है।

बॉर्डर पर सीसीटीवी से रखी जाएगी निगरानीःराजस्थान-गुजरात के अधिकारियों ने शांतिपूर्वक लोकसभा चुनाव कराने पर की चर्चा

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

डूंगरपुर. लोकसभा चुनावों की तैयारी को लेकर राजस्थान और गुजरात राज्य से सटे जिले के अधिकारियों की शनिवार को संयुक्त बैठक हुई। इसमें दोनों राज्यों के अधिकारियों ने बॉर्डर पर अवैध गतिविधियों की रोकथाम के लिए सख्त कार्रवाई करने की कार्ययोजना बनाई।

वहीं, सीसीटीवी से बॉर्डर पर निगरानी रखी जाएगी।

जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह ने लोकसभा आम चुनाव-2024 की तैयारियों को लेकर राजस्थान और गुजरात राज्य के अधिकारियों की रतनपुर बॉर्डर स्थित आरटीडीसी होटल में हुई। बैठक में एसडीएम डूंगरपुर, लुनावाडा, तहसीलदार बिछीवाड़ा, सीमलवाड़ा, मेघराज, डीएसपी डूंगरपुर, सीमलवाड़ा थानाधिकारी बिछीवाड़ा, रामसागड़ा, कुंआ, धंबोला, शामलाजी, भिलोड़ा आदि उपस्थित रहे। एसडीएम नीरज मिश्र ने आगामी लोकसभा आम चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से करवाए जाने पर चर्चा के साथ आवश्यक निर्देश दिए। क्रिटिकल बूथ पर कानून निगरानी, एसएसटी, नाकाबंदी, वोटिंग प्रतिशत बढ़ाए जाने, गुजरात में कार्यरत मजदूरों को वोटिंग दिवस पर सवैतनिक अवकाश देने के निर्देश दिए। वहीं, डीएसपी तपेंद्र कुमार ने स्थाई वारंटियों के गिरफ्तार करवाने, जब्ती अधिक से करवाने, संवेदनशील एसएसटी नाकों पर सीसीटीवी से निगरानी रखने और कानून व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। वहीं, गुजरात के अधिकारयों ने गुजरात में स्थित चैक नाकों की जानकारी दी। बैठक में सभी सूचनाओं का आदान प्रदान किया गया और आपसी तालमेल से काम करने की सहमति बनी।

साली ने की साथ रहने की जिद, कर दिया मर्डर

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

बांसवाड़ा। बांसवाड़ा में थापड़ा पुल के पास दो दिन पहले युवती की लाश मिलने के मामले का शनिवार को बागीदौरा पुलिस ने खुलासा कर दिया है। मर्डर जीजा ने ही किया था और उसके बाद उसको पूल के पास फेंक दिया था। युवती 4 महीने पहले जीजा के साथ भाग गई थी व उसके बाद पीछा छुड़ाने के लिए जीजा ने सामाजिक समझौता करने के बाद साली को छोड दिया था मगर तब भी नहीं मानी तो मर्डर कर दिया। बांसवाड़ा के एसपी हर्षवर्धन अगरवाल ने बताया कि जिले के बागीदौरा थाना इलाके में 7 मार्च को थापड़ा पुल के पास युवती की लाश मिली थी। शिनाख्त कोकिला (20 वर्ष) के रूप में हुई थी। तफतीश में पता चला कि कोकिला का मर्डर जीजा आशीष ने ही किया हैं। आज आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार कोकिला गढ़ी थाना इलाके के उलाई गांव की रहने वाले गट्टूलाल की बेटी थी। 4 महीने पहले वह आमली पाड़ा गांव निवासी अपने जीजा आशीष पुत्र रामलाल के साथ भाग गई थी। इसी मामले को आधार बनाते हुए पुलिस की टीम ने आशीष से पूछताछ की। कडी पूछताछ में वह टूट गया और उसने मर्डर करना कबूल कर लिया। इसके बाद उसको गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस बताया कि वह शादीशुदा है। उसकी साली कोकिला जबरन साथ रहना चाहती थी। सामाजिक समझौता करने के बाद उसको वापस घर भेजा था। तब समझौता 50 हजार रुपए में हुआ था। वह कोकिला को अपने साथ नहीं रखना चाहता था, मगर उसके बाद भी कोकिला उसी के साथ रहने की जिद करने लगी थी। वह आशीष को ब्लैकमेल तक करनी लग गई थी। उसने जब रेप के मामले में फंसाने की धमकी दी तो वह डर गया व रास्ते से हटाने की सोचने लगा। आखिरकार उसने 7 मार्च को कोकिला को मोटरसाइकिल पर बैठाया और थापड़ा पूल के पास ले गया। वहां पर उसका गला काटकर नृशंस तरीके से हत्या कर दी।

राजस्थान के 12 लाख कर्मचारियों का डीए 4 प्रतिशत बढ़ाने का प्रस्ताव

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट.उदयपुर। राजस्थान सरकार कर्मचारियों का महंगाई भत्ता केंद्र सरकार की ओर से बढोत्तरी होने के बाद अपने यहां भी 4 फीसदी बढ़ाने जा रही है। वित्त विभाग को सीएम भजनलाल की ओर से मंजूरी मिल गई है। आज ही डीए बढ़ाने के आदेश जारी करने की संभावना है। आपको बता दें कि राजस्थान में सरकारी कार्मिकों को 46 फीसदी डीए मिलता है जो बढ़कर 50 फीसदी हो जाएगा। करीब 8 लाख कर्मचारियों और 4 लाख पेंशनर्स को इसका लाभ मिलने की उम्मीद है। केंद्र सरकार ने दो दिन पहले ही केंद्रीय कर्मचारियों का डीए बढ़ाने का फैसला किया था जिसके बाद से वित्त विभाग ने भी राजस्थान में प्रक्रिया शुरू कर दी थी। बढ़े हुए डीए का लाभ 1 जनवरी से मिलने जा रहा है। अप्रैल के वेतन में बढ़ा हुआ डीए मिलने पर सरकार को इसका चुनावी फायदा भी मिल सकता है। वैसे देखा जाए तो चुनावों के आस-पास कर्मचारियों को खुश करने के लिए ऐसे कदम उठाए जाते रहे हैं। अभी कर्मचारियों में ओल्ड पेंशन स्कीम के असमंजस को लेकर भारी आक्रोश है और वे भाजपा सरकार से इस बारे में निर्णायक कदम उठाने की कई बार मांग भी कर चुके हैं। सरकारी कर्मचारियों को फायदा ये हो रहा है कि उनका पांच महीने के अंदर दूसरी बार डीए बढने जा रहा है। याने एक लड्डू गहलोत सरकार ने दिया तो दूसरा भजनलाल सरकार दे रही है।

डॉ. गिरिजा व्यास हुई भावुक, बोलीं - मेरा खून लाल रंग का नहीं तिरंगे रंग का

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट. उदयपुर। पूर्व केन्द्रीय मंत्री डा. गिरिजा व्यास ने आज उदयपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि कांग्रेस में जो कुछ हो रहा है वह दुखी करने वाला है। मैं मरते दम तक कांग्रेस में ही रहूंगी। को संबोधित करती। डॉ व्यास ने कांग्रेस छोड़कर जाने वाले नेताओं पर कहा कि जिसको जाना हो वो जाए। वे लोग गलती कर रहे हैं लेकिन कांग्रेस में जो कुछ हो रहा है उससे मेरा मन दुःखी होता है। उदयपुर में लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के प्रत्याशी का नाम पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि यह तो समय ही बताएगा। गिरिजा इस अवसर पर भावुक हो गई व एक सवाल के जवाब में कहा कि मेरा खून लाल रंग का नहीं तिरंगे रंग का है, सब चले जाए पर मै मरते दम तक कांग्रेस में रहूगी। डा व्यास ने कहा कि चुनाव में पीएम नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि सबके खाते में पैसा आ जाएगा मगर आज तक नहीं आया और आज तक लोग ढूंढते फिर रहे हैं। किसानों को भी उनकी उपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ नहीं दिया गया। उन्होनें नोटबंदी को याद करते हुए उसे फेल बताया व कहा कि तब कहा गया था कि काला धन बंद हो जाएगा मगर ऐसा कुछ भी नहीं हुआ।

ओडिशा में भाजपा-बीजेडी के बीच गठबंधन पर बातचीत फेल

भाजपा ने कहा, हम अकेले चुनाव लड़ेंगे; दोनों पार्टियों विधानसभा-लोकसभा में ज्यादा सीटों पर अड़ी थीं

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

भुवनेश्वर। ओडिशा में सत्तारूढ़ बीजू जनता दल और भाजपा के बीच गठबंधन को लेकर बातचीत फेल हो गई है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल ने दिल्ली से भुवनेश्वर लौटने के बाद कहा कि हमारी पार्टी राज्य में अकेले चुनाव लड़ेगी। किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन या सीट बंटवारे पर कोई बातचीत नहीं हुई है। सामल ने कहा- हम चुनावों के लिए अपनी तैयारियों पर चर्चा करने के लिए दिल्ली में केंद्रीय नेताओं से मिलने गए थे। भाजपा ओडिशा में आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनाव जीतने को लेकर आश्वस्त है। पार्टी दोनों चुनाव अपने बल पर लड़ेगी। भाजपा और बीजेडी के बीच गठबंधन को लेकर गुरुवार को अटकलें शुरू हुई थीं। दरअसल, बीजेडी नेता वीके पांडियन और प्रणब प्रकाश दास 7 मार्च को भाजपा के केंद्रीय नेताओं से मिलने एक चार्टर्ड विमान से दिल्ली गए थे। हालांकि, दिल्ली से लौटने के बाद BJD नेताओं ने चुप्पी साधी रही। सूत्रों के हवाले से बताया गया कि बीजेडी और भाजपा के बीच गठबंधन की बातचीत सीट बंटवारे पर अटक गई है। बीजेडी विधानसभा की 147 सीटों में से 112, लगभग 75 फीसदी सीटों की मांग की थी, लेकिन भाजपा को यह मंजूर नहीं था। वर्तमान में, विधानसभा में BJD के 114 सदस्य हैं। इसके उलट भाजपा ने राज्य की 21 लोकसभा सीटों में से 14 सीटें मांगी थीं, जिसे ने खारिज कर दिया। 2019 के लोकसभा चुनावों में 12 सीटें जीती थीं, जबकि ठश्रच् ने 8 सीटें जीती थीं। एक सीनियर नेता ने कहा कि 10 से कम लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ना हमारे लिए आत्मघाती होगा। 1998 में जनता दल विभाजित होने के बाद नवीन पटनायक ने अपनी पार्टी, बीजू जनता दल बनाई थी। वे वाजपेयी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में शामिल हो गए। उन्हें इस्पात और खान मंत्री बनाया गया। भाजपा और ठश्रक् साल 1998 से 2009 के बीच गठबंधन में रही थीं। दोनों पार्टियां तीन लोकसभा चुनाव- 1998, 1999 और 2004 और दो विधानसभा चुनाव- 2000 और 2004 में एक साथ उतरी थीं। उस समय बीजेडी भाजपा की सबसे भरोसेमंद पार्टी मानी जाती थी। हालांकि, 2009 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव में दोनों पार्टियों में सीट शेयरिंग पर बात नहीं बनी। वहीं, लोकसभा के लिए भी भाजपा को 21 में से 6 सीटें देना चाहती थी, जबकि भाजपा 9 सीटें चाहती थी। गठबंधन टूटने के बाद भाजपा नेता सुषमा स्वराज ने कहा था कि नवीन पटनायक को यह गठबंधन तोड़ना काफी भारी पड़ेगा।

बीकानेर में सीजेआई बोले-देश में समानता के लिए भाईचारा जरूरी:अगर लोग आपस में लड़ेंगे तो देश तरक्की कैसे करेगा

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

बीकानेर। देश के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि देश में समानता बनाए रखने के लिए भाईचारा बहुत जरूरी है। संविधान की भावना के मुताबिक हमें एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए। अगर लोग आपस में लड़ेंगे तो देश तरक्की कैसे करेगा। CJI चंद्रचूड़ बीकानेर के हमारा संविधान, हमारा सम्मान कार्यक्रम में शामिल हुए थे। चीफ जस्टिस ने ये भी कहा कि संविधान निर्माताओं की सोच थी कि मानवीय गरिमा का स्थान सबसे ऊपर है। बाबा साहेब अंबेडकर ने सुनिश्चित किया था कि संविधान में न्याय के मूल्य, स्वतंत्रता और समानता के साथ भाईचारे की भावना और व्यक्ति की गरिमा कायम रहे। बीकानेर के महाराजा गंगा सिंह यूनिवर्सिटी के ऑडिटोरियम में न्याय मंत्रालय की ओर से आयोजित कार्यक्रम में सीजेआई ने कहा कि अक्सर मैं देखता हूं कि लोग अपने से जूनियर को सम्मान की दृष्टि से नहीं देखते। अपने ड्राइवर से ढंग से बात नहीं करते। लोग सोचते हैं कि ड्राइवर छोटा है। सफाई करने वाले को हीन भावना से देखते है। कोई भी व्यक्ति पद में छोटा हो सकता है) लेकिन उस व्यक्ति की भी उतनी ही गरमि है, जितनी कि हमारी है। सर्वोच्च न्यायालय में एक पोस्ट है- जिसको 1950 से जमादार कहते थे। 75 साल से इन्हें जमादार कहा जा रहा था, अब इनका नाम बदल दिया है। स्थानीय भाषा में होना चाहिए फैसला चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा- देश के किसी भी कोर्ट में स्थानीय भाषा में फैसला होना चाहिए। अगर मैं दिल्ली में बैठकर कोई निर्णय वकील के लिए, जज के लिए दे रहा हूं तो वो कठिन भाषा में हो सकता है, लेकिन अगर मैं आम आदमी के लिए निर्णय कर रहा हूं तो निश्चित रूप से सरल भाषा में होना चाहिए। देश के जिला स्तर के कोर्ट की बिल्डिंग में सुधार होना चाहिए। ये बिल्डिंग आधुनिक स्तर की होनी चाहिए।

मालवीया ने दी डोटासरा को चुनौती, कहा. हिम्मत है तो सीकर से लोकसभा चुनाव लड़कर दिखाएं

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

बांसवाड़ा : कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने तीन दिन पहले बांसवाड़ा दौरे पर आकर लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी महेंद्र मालवीया को कहा था कि मालवीया आदिवासी हैं। उन्हें कांग्रेस ने बड़ा बनाया है। डोटासरा के इस बयान पर पलटवार करते हुए मालवीया ने डोटासरा को चुनौती दी है कि अगर उन्हें इतना ही घमंड हैए तो सीकर से लोकसभा चुनाव लड़ें और जीतकर दिखाएं।

तलवाड़ा ग्राम पंचायत दौरे पर गए शनिवार को मालवीया ने कहा कि राहुल गांधी की बांसवाड़ा में न्याय यात्रा के सवाल पर कहा ये कुछ भी नहीं है। जब मानगढ़ में राहुल गांधी की सभा हुई थीए तब 3 लाख मानगढ़ धाम पर आए और डेढ़ लाख लोग नीचे रह गए। 10 किमी तक रास्ते जाम थे। ये कहीं ना कहीं मेरी खुद की मेहनत थी। अब मैं भाजपा में आ गया हूंए तो कल देखना कुशलबाग मैदान में कितने लोग आते हैं। मुझे टिकट मिला हैए तो पार्टी से ऊपर उठकर जनता मेरे साथ है।

मेरे दम पर सभा में तीन लाख लोग आए

पिछले साल 9 अगस्त को विश्वआदिवासी दिवस के दिन राहुल गांधी की मानगढ धाम पर सभा हुई थी। तब मेरे दम पर 3 लाख लोग सभा में आए थे। अब कल रविवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और मुख्यमंत्री की कुशलबाग में राहुल की न्याय यात्रा से ज्यादा भीड़ देखने को मिलेगी। कांग्रेस और बीएपी के गठबंधन पर कहा कि वो किसी से भी समझौता करें ये सीट तो भाजपा जीतेगी। भाजपा की नींवए नीतियांए मोदी की गारंटीए राम मंदिर की प्रतिष्ठा और मेरे जाने से कांग्रेस का काफी हिस्सा भाजपा में आएगा। इसलिए सीट तो भाजपा जीतेगी। कल सीएम की सभा पर कहा कि उनके आगमन पर सभी के मन में हर्ष का माहौल है। कल बड़ी संख्या में पार्टी के पदाधिकारीए पंचायत राज के सरपंचए प्रमुखए प्रधान भाजपा जॉइन करेंगे। वह अपनी मां की कोख से बड़ा होकर पैदा नहीं हुआ डोटासरा ने गत बुधवार को मीडिया से बातचीत के दौरान मालवीया पर निशाना साधा था। मालवीया के कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में जाने के सवाल पर डोटासरा ने कहा था कि. वह अपनी मां की कोख से बड़ा होकर पैदा नहीं हुआए कोई राजा का बेटा नहीं था। वह एक आदिवासी था और कांग्रेस ने उसे बड़ा किया। उसे बड़ा वट वृक्ष बनाया और

उनकी हैसियत सीडब्ल्यूसी सदस्यए सांसदए मंत्री तक बनी। हम यहां लोगों से भी मिल रहे हैंए जिन्होंने कहा कि कांग्रेस का नेता दल बदल सकता हैए लेकिन यहां की जनता कांग्रेस के साथ है। वो भाजपा में किस लालच से गएए किस भय से गएए वो जानेंए उनका काम जाने। भाजपा ने उन्हें टिकट दिया है, क्योंकि उनके पास कोई दूसरा नेता नहीं था। लेकिनए यहां के कार्यकर्ता इतने मजबूत हैं कि उन्हें छठी का दूध याद दिला देंगे। मालवीया ने डोटासरा को कहा था पागल भाजपा की सदस्यता लेने के बाद पहली बार बांसवाड़ा आने के बाद मालवीया ने भी डोटासरा को पागल कहा था। गत 21 फरवरी को बांसवाड़ा भाजपा जिलाध्यक्ष के डोटासरा को लेकर पूछे सवाल पर कहा. वो तो श्पागलश् हैं। अगर मैंने विधानसभा चुनाव में पार्टी के खिलाफ कैंपेनिंग की होती तो कांग्रेस की 4 सीटें कैसे आ जातीं। मैं तो पीएम मोदी की लहर में भी जीता हूं। फिर कांग्रेसी कैसे नहीं जीत पाए, मालवीया ने जब डोटासरा पागल कहा था तब डोटासरा ने कहा था वो कुछ भी कह सकते हैं। मेरे को तो सैल्यूट मारते थे। पागल को कोई सैल्यूट क्यों मारेगा।

दिल्ली में लगा ट्रेनिग कैम्प, सलाह, सफर और सहूलियतों पर चर्चा

उदयपुर में भी शीघ्र ही लगेगा कैंप, इस बार देश से जाएंगे 1 लाख 75 हजार हजयात्री

24 न्यूज अपडेट

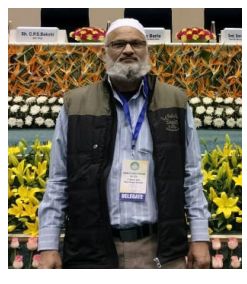

नई दिल्ली. हज कमेटी ऑफ़ इंडिया केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलात मंत्रालय द्वारा दो दिवसीय ट्रेनिंग कैम्प का अयोजन विज्ञान भवन,सर्व पल्ली राधा कृष्णन ऑडिटोरियम में हुआ। इसमें सम्पूर्ण भारत से 600 हज ट्रैनर और राज्य प्रतिनिधियों ने शिरकत की।यात्रा के दौरान किए जाने वाले अरकान,और सफर के बीच हवाई यात्रा, इमिग्रेशन, कस्टम, मेडिकल, एवं अन्य प्रकार की जानकारी विभागीय स्तर पर हासिल की। इस वर्ष 175000 हाजी जा रहे हैं। उनक ट्रेनिंग अपने शहरो में दी जाएगी एवं शीघ्र ही एक हज कैम्प का अयोजन उदयपुर शहर मे किया जायेगा। इस अवसर पर अल्पसंख्यक मामलात एवं महिला बाल विकास केंद्रीय मंत्री समृती जुबिन ईरानी, उप मंत्री, एवं विभागिय सचिव ने शिरकत की और हाजियो के लिए यात्रा की सम्पूर्ण जानकारी वाली हज सुविधा एप 12 भारतीय भाषाओ में हज गाइड का विमोचन किया गया। हज यात्रियों को अपने कवर नंबर डालने के साथ ही यात्रा मे हर प्रकार की जानकारी ऑनलाइन प्राप्त कर सकेंगे। इस अवसर पर मंत्री ईरानी ने सरकार की हाजियां के बहतरीन इंतजाम के लिए अवगत कराया। हज ट्रेनिंग के दौरान ट्रैनर द्वारा हाजियो की सुविधा के लिए सरकार द्वारा किये गए इन्तेजाम को सराहनीय कदम बताया गया, वही राजस्थान हज कमेटी से 20 हज ट्रेनर ने इस प्रोग्राम मे भाग लिया, उदयपुर से हज ट्रेनर मोहम्मद अयूब डायर ने शिरकत की। यह जानकारी जिला हज सहसयोजक मुस्ताक अहमद ने दी।

सुस्ती छोड़ो.....तेल भरवाने दौड़ो...आज रात 12 बजे से 48 घंटे के लिए पेट्रोल पम्प बंद

पम्प संचालकों ने भाजपा पर लगाए वादा खिलाफी के आरोप

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट. उदयपुर। क्या आपने फ्यूल टंकी फुल करा ली है? अगर नहीं, तो जल्दी करें क्योंकि कुछ ही घंटों में पेट्रोल पंप बंद होने वाला है। ऐसे में गाड़ी में ईंधन भरवाने के लिए आपको परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। राजस्थान पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन ने शनिवार रात 12 बजे से 12 मार्च तक प्रदेशभर के पेट्रोल पंप बंद रखने की घोषणा की है। डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि सरकार लंबे वक्त से वैट में कटौती नहीं कर रही है। डीलर्स के कमीशन में भी बढ़ोतरी नहीं की गई है। प्रदेशभर के पेट्रोल और डीजल पंप संचालकों ने 9 मार्च रात 12 बजे के बाद से हड़ताल पर जाने का फैसला किया है। पंप संचालकों का कहना है कि राजस्थान सरकार की ओर से ज्यादा वैट लगाया जा रहा है, जिसे घटाने और कमीशन बढ़ाने के लिए मालिकों द्वारा मांग की जा रही है। पंप संचालकों की शिकायत है कि 90 दिन गुजरने के बाद भी ईंधन पर लगने वाला वैट कम नहीं हुआ है। बढ़े हुए वैट की वजह से राजस्थान में पेट्रोल पंप संचालकों को लगातार घाटा हो रहा है। डबल इंजन की सरकार होते हुए भी पम्प संचालकों को झांसे में रखा जा रहा है। चुनावी वादों में भाजपा ने पेट्रोल की कीमतों को मुद्दा बनाते हुए गहलोत सरकार को घेरा था मगर अब सरकार बनते ही सबके मुंह पर ताला पड़ गया हैं। कोई भी भाजपा का नेता इस बारे में बात नहीं कर रहा है। यह जनता के साथ भी धोखा हैं। लंबे वक्त से सरकार से वैट कम करने की मांग कर रहे हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। राजस्थान के मुकाबले पड़ोसी राज्यों में काफी सस्ता पेट्रोल बिक रहा है। 7 साल से डीलर्स के कमीशन में बढ़ोतरी नहीं की गई है। इसकी वजह से राजस्थान में ज्यादातर पेट्रोल पंप बंद होने की कगार पर पहुंच गए हैं। इसको लेकर

हड़ताल पर जाने का फैसला किया है। राजस्थान में लगभग 5800 पेट्रोल पंप है। इनमें से हड़ताल के दौरान 4000 से ज्यादा पेट्रोल पंप बंद रहेंगे। आपको याद दिला दें कि 13, 14 और 15 सितंबर को हड़ताल का आह्वान किया गया था व इस दौरान लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा था। एसोसिएएशन का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई वरिष्ठ भाजपा नेता सार्वजनिक मंच से राजस्थान में बढ़े हुए वैट को लेकर नाराजगी जाहिर कर चुके हैं। राजस्थान में बीजेपी सरकार बनने के बाद इस तरफ ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसकी वजह से न सिर्फ पेट्रोल पंप संचालक, बल्कि आम जनता का भी शोषण हो रहा है।

राजस्थान में सबसे महंगा पेट्रोल-डीजल

भारत में सबसे महंगा पेट्रोल-डीजल राजस्थान के श्रीगंगानगर में बिक रहा है।एक लीटर पेट्रोल 113.30 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 98.07 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गई है। पोर्ट ब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए प्रति लीटर और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर है।

भारत ने जीता धर्मशाला टेस्ट, इंग्लैंड को पारी और 64 रन से शिकस्त

सीरीज भी 4-1 से जीती, गिल-रोहित की सेंचुरी, अश्विन को 9 विकेट

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज अपडेट.ब्यूरो। धर्मशाला टेस्ट में भारत ने इंग्लैंड को एक पारी और 64 रन से मात दे दी है और इसी के साथ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज भारत ने 4-1 से जीत ली है। गुरुवार को इंग्लैंड ने टॉस जीतकर बैटिंग शुरू की व पहली पारी में 218 बनाए। इसके बाद टीम इंडिया 477 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत को दूसरी पारी में 259 रन का बढ़त मिली मगर इंग्लैंड टीम 195 रन पर ही सिमट गई। इस तरह इंग्लिश टीम को पारी और 64 रन से हार का सामना करना पड़ा। अपना 100वां टेस्ट खेल रहे रविचंद्रन अश्विन ने मैच में 9 विकेट लिए। भारत की घरेलू मैदानों पर पिछले 12 साल में लगातार 17वीं सीरीज जीत है। सबसे ज्यादा सीरीज घरेलू मैदान पर जीतने का रिकॉर्ड भारतीय टीम के नाम है।

त्याग, तपस्या, समर्पण की प्रतिमूर्ति थी पन्नाधाय - प्रो. सारंगदेवोत

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर . पन्नाधाय की 534वीं जयंती पर जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड टू बी विवि के कुलपति सभागार में आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत ने कहा कि पन्नाधाय मेवाड़ के इतिहास का वह नाम है जिसका सानी विश्व इतिहास में खोजने पर भी नहीं मिलता। पन्नाधाय त्याग, तपस्या, सपर्मण, स्वामी भक्त एवं वचनबद्धता की प्रतिभूर्ति थीं। पन्नाधाय को सर्वोत्कृष्ट बलिदान के लिए जाना जाता है जिन्होंने अपने एकमात्र पुत्र चंदन का बलिदान देकर मेवाड़ राज्य के असली वारिस महाराज कुंवर उदय सिंह के प्राणों की रक्षा की। पन्नाधाय दृढ़ निश्चय की धनी थी, जिन्होंने महारानी कर्मवती को दिया गया वचन पूरा किया। भारतीय संस्कृति, परम्परा, विरासत विश्व में अद्भुत है। हमारे इतिहास को तोड़ - मरोड़ कर लिखा गया , आवश्यकता है तथ्यों के आधार पर इतिहास के पुनर्लेखन की, जिससे पन्नाधाय जैसी अन्य विरांगनाओं को भी इतिहास में अपना स्थान मिल सके। इस अवसर पर कुल प्रमुख भंवर लाल गुर्जर, पीजी डीन प्रो. जीएम मेहता, रजिस्ट्रार डॉ. तरूण श्रीमाली, परीक्षा नियंत्रक डॉ. पारस जैन, डॉ. भवानीपाल सिंह राठौड़, डॉ. चन्द्रेश छतलानी, डॉ. कुलशेखर व्यास, निजी सचिव केके कुमावत, जितेन्द्र सिंह चौहान, डॉ. सपना श्रीमाली, डॉ. गुणबाला आमेटा, डॉ. अपर्णा श्रीवास्तव, डॉ. यज्ञ आमेटा, नारायण पालीवाल, डॉ. ललित, शोएब कुरैशी, विकास डांगी सहित कार्यकर्ताओं ने पन्नाधाय की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हे नमन किया।

ओगणा में चोरों की धमाल

6 घरों से लूटे रूपए और जेवर

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर। ओगणा गांव में कल रात चोरों ने धमाल मचा दीं। हाथों में लठ्ठ लेकर आए चोर सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए हैं। चोरों ने 6 घरों कोएक साथ निशाना बनाया। उन्होंने गांव में पुजारी के घर से सोने-चांदी के जेवरात और रुपए चुरा लिए तथा उसके बाद अन्य मकानों में भी चोरी का प्रयास किया। अब पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों को पहचानने की कोशिश कर रही है। पुलिस के अनुसार रामानाथ महादेव मंदिर के पुजारी प्रभुलाल भट्ट के घर पर चोरी की वारदात हुईं। पुजारीजी महाशिवरात्रि होने पर मंदिर गए हुए थे। पीछे चोर घर में घुसे आए तथा उन्होंने घर के सामान को अस्त-व्यस्त कर दिया। चोरों ने सात तोला सोना, डेढ़ किलो चांदी की ज्वैलरी सहित अन्य सामग्री चुरा लिए। इसके बाद चोरों ने गांव में ही आजाद चौक में देवेंद्र कोठारी के घर पर ताले तोड़ने की कोशिश की। कोठारी के बेटे की शादी है और उनका पूरा परिवार उदयपुर में शॉपिंग करने गया था। इसी प्रकार सूरत में रहने वाले मोहनलाल बापना के मकान के ताले भी तोडे मगर बताया जा रहा है कि वहां पर चोरों को कुछ खास नहीं मिला। चोरों ने गुलशेर खान और अर्जुन मादावत के मकानों में भी ताला तोड़कर घुसे। मकान मालिक बाहर होने से चोरी हुए सामान की जानकारी नहीं मिल सकी हैं। ग्रामीणों की सूचना पर ओगणा पुलिस मौके पर पहुंची और मौका पर्चा बनाया। सीसीटीवी फुटेज से चोरों की पहचान की जा रही है।

महिला ने जहरीला पदार्थ खाकर किया सुसाइड:कारणों का खुलासा नहीं, दो बच्चों के सिर से उठा मां का साया

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

डूंगरपुर। खेरवाड़ा थाना क्षेत्र के बयाडी गांव में दो बच्चों की मां ने विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। तबीयत बिगड़ने पर डूंगरपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। खेरवाड़ा थाना पुलिस के अनुसार बयाड़ी निवासी उषा पत्नी महेश पटेल अपने दो बच्चों के साथ शुक्रवार शाम के समय अपने घर पर थी। वहीं, उसका पति महेश खेतों पर गया हुआ था। उसी समय उषा ने विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई और उल्टियां होने लगी। इस पर पति दौड़ कर आया। वहीं, परिजन उषा को लेकर गंभीर हालत में डूंगरपुर जिला अस्पताल पहुंचे और भर्ती करवाया। इलाज के दौरान शनिवार को उषा की मौत हो गई। सूचना पर खेरवाड़ा थाना पुलिस डूंगरपुर जिला अस्पताल पहुंची और शव को मॉर्च्युरी में शिफ्ट करवाया। वहीं, पीहर पक्ष के आने के बाद पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करवाया। पोस्टमॉर्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उषा की मौत के बाद उसके 2 बच्चों के सिर से मां का साया उठ गया है।

लोहे की प्लेटे चुराने वाले तीन बदमाश आए पुलिस गिरफ्त में

ऑनलाइन फोटो भेजता था और झांसे में लेकर करता था साइबर लूट, एक नाबालिग भी पकड़ा

24 न्यूज अपडेट
desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर। अम्बामाता घाटी में सरकारी निर्माणाधीन पानी की टंकी के पास निर्माण कार्य में काम आने वाली लोहे की लोहे की प्लेटे चुराने वाले तीन बदमाशों को आज पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बताया गया कि रंजित भारती पुत्र रामकरण भारती पासी निवासी खरकपुर जिला अयोध्या उतरप्रदेश हॉल अम्बामाता घाटी ने पुलिस थाना सविना में रिपोर्ट दी कि वह सोबर इंवायमेन्टल सोल्युशन प्राईवेट लिमिटेड कम्पनी में साईट इंजिनियर है।। कम्पनी ने अम्बामाता घाटी में पानी का फिल्टर प्लाट व पानी की टंकी बनाने का ठेका ले रखा हैं, जहां से रात्रि के समय में निर्माण कार्य में काम आने वाली प्लेटे चोरी हो गई हैं। अनुसंधान राजेन्द्र गुर्जर हैडकानि. द्वारा प्रारम्भ किया गया। एसपी योगेश

गोयल के निर्देष पर उमेश ओझा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर तथा शिप्रा राजावत पुलिस उप अधीक्षक वृत नगर पूर्व उदयपुर के सुपरविजन में फूलचन्द टेलर थानाधिकारी पुलिस थाना सवीना द्वारा टीम गठित की गई व अभियुक्तगणों की तलाशा करने के निर्देष प्राप्त हुए। थानाधिकारी के नेतृत्व में थाने की टीम फूलचन्द टेलर थानाधिकारी सविना द्वारा गठन किया गया। टीम द्वारा मुखबिर तन्त्रों व तकनीकी संसाधनों की मदद से अभियुक्तगणों की तलाश की जिस पर अभियुक्तगण नारायण भोई पिता शंकरलाल भोई निवासी मोई बस्ती गिंगला पुलिस थाना गिंगला, कालूलाल उर्फ कालू मीणा पुत्र बाबरिया मीणा निवासी नई बस्ती बामणु गामडा पुलिस थाना धरियावद, रोडीलाल मीणा पिता केशिया उर्फ केशा मीणा निवासी सिहाड मगरी को गिरफतार किया। अभियुक्तगणों के कब्जे से लोहे की 34 प्लेटों को बरामद किया गया। अभियुक्त कालूलाल उर्फ कालू मीणा के खिलाफ पूर्व में भी चोरी के कई प्रकरण हैं। अभियुक्तगणों से अन्य प्रकरणो में भी पूछताछ जारी है।

24 न्यूज अपडेट

देश-दुनिया राज्यों एवं स्थानीय खबरें को देखने के लिए हिन्दी समाचार पत्र एवं न्यूज़ चैनल

ताजा खबरें देखने के लिए

हमारे यूट्यूब चैनल को सबस्क्राइब करें

YouTube

24 NEWS UPDATE

हमारे फेसबुक पेज को फॉलो करें

लिंक पर क्लिक करें और हमारे चैनल को लाइक और सब्सक्राइब करें

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।